Prabodhan Education Society's
Vidya Prabodhini College of Commerce, Education Computer and Management
Parvari Goa

S.Y.B.A.B.ED SEMESTER END ASSESSMENT JANUARY 2022

COURSE TITLE & PAPER: काव्य, कथा-साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण HNE-03

Semester: III **Duration:** 2 Hours **Max Marks: 70**

सूचनाएँ:

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- प्रत्येक मुख्य प्रश्नों का उत्तर नए पन्ने पर ही शुरू करें।
- प्रश्न क्रमांक और उप-प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।
- दायी ओर दर्शाएँ हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

==========

प्र.1.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। (2x5=10)

1. जालपा ने शिव की मूर्ति को क्यों पटका?
2. रमानाथ को कहाँ नौकरी मिली थी और उसका वेतन कितना था?
3. रमानाथ अपने किन मित्रों के पास पैसे उधार माँगता है और उसे क्या जवाब मिलते हैं?
4. जोहरा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

आ. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के हिंदी प्रतिशब्द दीजिए। ($10x_{1/2}$=05)

1. TELEPHONE 3. PLAN 5. PROGRESS 7. CLASSMATE 9. SENIOR

2. APPLICATION 4. CULTURE 6. EXPLOITATION 8. CONCLUSION 10. OFFICE

प्र.2.अ. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के लघु उत्तर लिखिए। (2x5=10)

1. विद्यापति श्री कृष्ण के सौंदर्य के बारे में क्या कहते हैं?
2. कवि मैशिलिशरण गुप्त ने शिक्षा का महत्व किन उदाहरणों से समझाया है?
3. 'यह मंदिर का दीप' कविता में दीपक किस बात का प्रतीक है?
4. 'घिन तो नहीं आती' कविता में व्यक्त व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

आ. निम्नलिखित हिंदी शब्दों के अंग्रेजी प्रतिशब्द दीजिए। ($10x_{1/2}$=05)

1. पत्रकार 3. वक्ता 5. परंपरा 7. साक्षात्कार 9. नगरपालिका
2. प्रदूषण 4. नकारात्मक 6. प्रक्रिया 8. पर्यावरण 10. उद्योग

Scanned with CamScanner

प्र.3. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (05)

अ1.) 'तुम कहते हो, मैंने गलती की, मैं समझती हूँ, मैंने अच्छा किया। वहाँ किसके मुँह में कालिख लगती?'

अथवा

2. 'दस्तूरी रिश्वत नहीं है, सभी लेते हैं और खुल्लम-खुल्ला लेते हैं। लोग बिना माँगे आप-ही-आप देते हैं, मैं किसी से माँगने नहीं जाता।'

प्र.3.आ.1) सुनै कै चिनगी ओही परि। रतन पाव जौं कंचन करी।। (05)

कठीन प्रेम बिरहा दुख भारी। राज छाँड़ि भा जोगि भिखारी।।

अथवा

2. कलियों की घन जाली में
छिपती देखूँ लतिकाएँ,
या दुर्दिन के हाथों में,
लज्जा की करुणा देखूँ!

प्र.4.अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए। (10)

1. 'भारतीय समाज में गहनों का मर्ज़ एक दरीद्रता के रूप में फैला हुआ है जिसके कारण लोगों की ज़िंदगियाँ तबाह होती हैं।' प्रस्तुत कथन को ग़बन उपन्यास के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र.4.आ) निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

1. रमेश के विचार।
2. वकील साहब का जीवन।

प्र.5.अ.) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 400 शब्दों में लिखिए।

1. 'आँसू' कविता में व्यक्त विरह के भाव को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (10)

अथवा

प्र.5.आ.) निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। (5+5)

1. विद्यापति का वसंत वर्णन
2. 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' का केंद्रीय भाव।

Scanned with CamScanner

प्र.6.अ.) निम्नलिखित अनुच्छेद का **संक्षेपण** कीजिए। (05)

सामान्यत: संस्कृति और सभ्यता को एक ही वस्तु मान लिया जाता है। दोनों में नि:संदेह घनिष्ट संबंध है। उनकी एक दूसरे पर प्रतिक्रिया होती है। सभ्यता से भौतिक उन्नति होती है। सभ्यता मनुष्य की भौतिक आवश्यकताएँ पूर्ण करने के यज्ञ का परिणाम है, जबकि संस्कृति बौद्धिक उन्नति के प्रयत्नों से विकसित होती है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है संस्कृति मनुष्य के मन और आत्मा के सुसंस्कार या परिष्कार को कहते हैं। अतएव वह अंतर्मुखी है। वह रूचि, दृष्टिकोण और आचार के द्वारा व्यक्त होती है। दूसरी ओर सभ्यता बहिर्मुखी और भौतिक है। वह उन भौतिक आयोजनों और साजसज्जा से संबंध रखती है, जिसको मनुष्य ने प्रकृति की शक्तियों पर विजय पाने के लिए और इस प्रकार मानव जीवन को सुविधापूर्ण तथा सुखमय बनाने के लिए विकसित किया है। उसमें आदिम मनुष्य के पत्थर के औजारों से लेकर आधुनिक स्पुतनिक तक शामिल है।

प्र.6.आ.) निम्नलिखित में से **किसी एक** विषय पर संवाद लेखन कीजिए। (05)

1. 'बढ़ते पेट्रोल के दाम' इस विषय पर दो मित्रों के बीच हुआ संवाद।
2. 'कोरोना महामारी के अंजाम' इस विषय पर दो मित्रों के बीच हुआ संवाद।

0-0-0

Scanned with CamScanner